One day training workshop on “Hindi Rajbhasha Adhiniyams and Filling of Quarterly Hindi Progress Report”

Hindi section, Forest Research Institute, Dehradun organized a one day training workshop on “Hindi Rajbhasha Adhiniyams and Filling of Quarterly Hindi Progress Report” for the Hindi Nodal Officers of Sections/Divisions of the Institute on 10.07.2018. 18 participants from different division/sections of institute were participated in the training. Dr. Savita, Director, FRI inaugurated the training workshop. In her inaugural address stated that the Hindi is a language of National Unity and connecting to the Country. She also emphasized on more work in day to day official work in Hindi in the institute. Introduction and importance of Hindi and about Rajbhasha Adhiniyams was given by Dr. M.R. Sakalani, Former Joint Director (Rajbhasha), Income Tax Department, Dehradun. Knowhow and filling of quarterly Hindi Progress Report was also given by Shri Ramesh Singh, Hindi Section, FRI to the participants in the training. On this occasion, Smt. Neelima Shah, Registrar, FRI present a welcome bouquet to the chief guest. The anchoring of the programme and present the welcome address the participants and the dignitaries were done by Rambir Singh, Scientist-D and In-Charge, Hindi Section, FRI. Hindi Section team Shri Ramesh Singh, UDC and Shri Dinesh Singh, Hindi Translator and others were present on the occasion and effort was made for success of the programme.

jktHkk"kk vf/kfu;eksa dh tkudkjh ,oa fganh frekgh izxfr fjiksVZ dks izi= esa mfpr izfo"Vh ij ,d fnolh; dk;Z'kkyk

आज दिनांक 10 जुलाई 2018 को हिंदी अनुभाग, वन अनुसंधान संस्थान द्वारा विस्तार प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान के सम्मेलन कक्ष में संस्थान के विभिन्न प्रभागों/अनुभागों के राजभाषा नोडल अधिकारियों के लिए राजभाषा अधिनियमों की जानकारी एवं हिंदी तिमाही प्रगति रिपोर्ट के प्रपत्र में उचित प्रविष्टी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ संस्थान निदेशक डा0 सविता द्वारा किया गया। डा0 सविता ने अपने संबोधन में सभी प्रतिभागियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया और आमंत्रित वक्ता डा सकलानी जी का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके द्वारा दी गई जानकारी से सभी प्रतिभागी लाभान्वित होंगे।

तत्पश्चात कार्यशाला में आमंत्रित विशेश वक्ता विशय विशेशज्ञ डा0 एम.आर. सकलानी, पूर्व राजभाषा निदेशक एवं सदस्य सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति देहरादून द्वारा सभी प्रतिभागियों को विस्तार से राजभाशा अधिनियमों की जानकारी उपलब्ध कराई गई। उन्होने कहा कि हिन्दी शुरू से ही राष्ट्रीय एकता, धार्मिक सहिष्णुता और प्रेम व्यवहार की भाषा रही है। इसलिए यह राष्ट्रीय एकता की कड़ी के रूप में कार्य करती है। अतः हम सबका यह परम् कर्तव्य है कि हम सभी संविधान की भावनाओं का सम्मान करने हुए अपना ज्यादा से ज्यादा काम हिन्दी में करने का प्रयास करें। कार्यशाला के दूसरे सत्र में श्री रमेश सिंह द्वारा सभी प्रतिभागियों को हिंदी प्रगति का त्रैमासिक विवरणी संबंधी प्रपत्र में उचित प्रकार से आँकड़ें प्रविश्ट करने की जानकारी दी। कार्यशाला में संस्थान की कुलसचिव नीलिमा शाह भी उपस्थित रही। सम्पूर्ण कार्यक्रम श्री रामबीर सिंह, वैज्ञानिक–डी एवं प्रभारी अधिकारी (हिंदी) द्वारा संचालित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यशाला
10 जुलाई, 2018
राजभाषा अधिनियमों की जानकारी
एवं
हिंदी तिमाही प्रगति रिपोर्ट के प्रपत्र में उचित प्रविष्टी
आयोजकः हिंदी अनुभाग वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून (उत्तराखण्ड)

प्रशिक्षण कार्यशाला
10 जुलाई, 2018

का चालान 174 सीज

■ प्रेशर हॉर्न, मॉडिफाईड साइलेंसर व बाईक स्टंट करने वालों के विरूद्ध चलाया अभियान

क्राइम रिपोर्टर

देहरादून। लोगों की जान को ताक पर रख कर बाईक स्टंट करने वाले, तेज होर्न और प्रेशर हॉर्न से ध्वनि प्रदूषण के साथ-साथ आम जनता को परेशान करने वालों एवं मॉडिफाईड साइलेंसर का गाड़ी में प्रयोग कर शोर-शराबा करने वालों के विरूद्ध उत्तराखण्ड पुलिस ने बड़ी कार्यवाही की है।

एडीजी लॉ एण्ड आर्डर अशोक कुमार के निर्देशन में पूरे प्रदेश में 25 जून से 9 जुलाई तक 15 दिवसीय विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के अन्तर्गत प्रेशर हॉर्न का प्रयोग करने वाले 2281 वाहनों का चालान एवं 104 वाहनों को सीज किया गया। मॉडिफाईड साइलेंसर के प्रयोग करने वाले 704 वाहनों का चालान एवं 42 वाहनों को सीज किया गया। स्टंट बाईक करने वाले 119 दुपहिया वाहनों का चालान एवं 28 वाहनों को सीज किया गया। कुल मिलाकर 15 दिवसीय इस अभियान में 3104 वाहनों का चालन किया गया है और 174 वाहनों को सीज किया गया है। एडीजी ने बताया की भविष्य में इस प्रकार के अभियान जारी रहेंगे। इसलिए यदि आपके वाहनों में मॉडिफाईड साईलेन्सर या प्रेशर हॉर्न जैसी कोई चीज लगी है तो इसे हटा लें।

लकर पुल

■ शीघ्र ही चलेगा अभियान: अशोक

क्राइम रिपोर्टर

देहरादून। उत्तराखण्ड में यातायात एवं परिवहन नियम तोड़ने वालों की अब खैर नहीं होगी। सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु वाहनों में क्षमता से अधिक सवारी/माल वहन करने वाले वाहनों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही अमल में लाये जाने हेतु उत्तराखण्ड पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है।

एडीजी अशोक कुमार के निर्देशन में प्रदेश भर में दिनांक 11 से 25 जुलाई तक ओवरलोडिंग/ओवर क्राउडिंग (क्षमता से अधिक सवारी) करने वाले वाहनों/वाहन चालकों के विरूद्ध एक 15 दिवसीय विशेष

एफआरआई में हिन्दी भाषा पर कार्यशाला आयोजित

हिन्दी देश को जोड़ने वाली भाषा: डा. सविता

■ हिन्दी में कार्य करने के लिये किया प्रोत्साहित

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान में हिन्दी भाषा पर आयोजित कार्यशाला में वन अनुसंधान संस्थान की निद, ेशक डॉ. सविता ने कहा कि हिन्दी में काम करना आसान है। हिन्दी देश को जोड़ने वाली भाषा है। डॉ. सविता ने सभी प्रतिभागियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया और आमंत्रित वक्ता डा सकलानी का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनकी दी गई जानकारी से सभी प्रतिभागी लाभान्वित होंगे।

हिंदी अनुभाग वन अनुसंधान संस्थान ने विस्तार प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान के सम्मेलन कक्ष में संस्थान के विभिन्न प्रभागों व अनुभागों के राजभाषा नोडल अधिकारियों के लिए राजभाषा अधिनियमों की जानकारी एवं हिंदी तिमाही प्रगति रिपोर्ट के प्रपत्र में उचित प्रविष्टी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ संस्थान निद, ेशक डॉ. सविता ने किया।

कार्यशाला में आमंत्रित विशेष वक्ता विषय विशेषज्ञ डॉ. एम.आर. सकलानी, पूर्व राजभाषा निदेशक एवं सदस्य सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति देहरादून ने सभी प्रतिभागियों को विस्तार से राजभाषा अधिनियमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हिन्दी शुरू से ही राष्ट्रीय एकता, धार्मिक सहिष्णुता और प्रेम व्यवहार की भाषा रही है। इसलिए यह राष्ट्रीय एकता की कड़ी के रूप में कार्य करती है। हम सभी को संविधान की भावनाओं का सम्मान करते हुए अपना ज्यादा से ज्यादा काम हिन्दी में करने का प्रयास करें। कार्यशाला के दूसरे सत्र में रमेश सिंह ने सभी प्रतिभागियों को हिंदी प्रगति का त्रैमासिक विवरणी संबंधी प्रपत्र में उचित प्रकार से आँकड़ें प्रविष्ट करने की जानकारी दी। कार्यशाला में संस्थान की कुलसचिव नीलिमा शाह भी उपस्थित रही, सम्पूर्ण कार्यक्रम रामबीर सिंह, वैज्ञानिक-डी एवं प्रभारी अधिकारी (हिंदी) ने संचालित किया।

0K/s 11:03 AM 69%
attachment.pdf

एक साल में घटी करीब 20 घटनाएं

मंगलवार को जंगल के पास सूरत सिंह को गुलदार द्वारा उठाकर खा लिए जाने की यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी गुलदार कई लोगों को अपना निवाला बना चुका है। गुलदार हमलों की कहानी रायवाला व अन्य जंगल क्षेत्रों में तब शुरू हुई जबसे जंगल के अन्दर लोगों की रिहाइश होने लगी है। अब गुलदार जब तब जंगल से बाहर आकर लोगों को रिहाइशी इलाके में आकर अपना निवाला बनाने लगे हैं। पिछले एक साल में ही रायवाला क्षेत्र में ऐसी करीब 20 घटनाएं हो चुकी हैं।

हिंदी भाषा में कार्य करने पर दिया जोर

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो
uttarbharatlive.com

» वन अनुसंधान संस्थानकार्यशाला का किया आयोजन

» कार्यशाला का शुभारम्भ संस्थान निदेशक डा. सविता द्वारा किया

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान द्वारा विस्तार प्रभाग के सम्मेलन कक्ष में संस्थान के विभिन्न प्रभागों/अनुभागों के राजभाषा नोडल अधिकारियों के लिए राजभाषा अधिनियमों की जानकारी एवं हिंदी तिमाही प्रगति रिपोर्ट के प्रपत्र में उचित प्रविष्टी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ संस्थान निदेशक डा सविता द्वारा किया गया।

डा. सविता ने सभी प्रतिभागियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया और आमंत्रित वक्ता डा. सकलानी जी का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके द्वारा दी गई जानकारी से सभी प्रतिभागी लाभान्वित होंगे।

तत्पश्चात कार्यशाला में आमंत्रित विशेष वक्ता विषय विशेषज्ञ डा. एमआर सकलानी, पूर्व राजभाषा निदेशक एवं सदस्य सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति देहरादून द्वारा सभी प्रतिभागियों को विस्तार से राजभाषा अधिनियमों की जानकारी उपलब्ध कराई गई।

उन्होंने कहा कि हिन्दी शुरू से ही राष्ट्रीय एकता, धार्मिक सहिष्णुता और प्रेम व्यवहार की भाषा रही है। इसलिए यह राष्ट्रीय एकता की कड़ी के रूप में कार्य करती है। अत हम सबका यह परम् कर्तव्य है कि हम सभी संविधान की भावनाओं का सम्मान करने हुए अपना ज्यादा से ज्यादा काम हिन्दी में करने का प्रयास करें। कार्यशाला के दूसरे सत्र में रमेश सिंह द्वारा सभी प्रतिभागियों को हिंदी प्रगति का त्रैमासिक विवरणी संबंधी प्रपत्र में उचित प्रकार से आंकड़ें प्रविष्ट करने की जानकारी दी। कार्यशाला में संस्थान की कुलसचिव नीलिमा शाह, रामबीर सिंह, वैज्ञानिक डी एवं प्रभारी अधिकारी हिंदी द्वारा संचालित किया गया।

या धरना

सुखमोहन सिंह, मकान सिंह, धन सिंह नेगी, अरविंद रतूड़ी, सोबन सिंह पंवार, सतीश थपलियाल, गब्बर सिंह, श्रीचंद सिंह, रणवीर सिंह, विनोद पंवार, नरेंद्र सरियाल, शीशपाल नेगी, योगेन्द्र सिंह चौहान, मंजीत सिंह, जितेंद्र सिंह, विकास नेगी, राम सिंह आदि मौजूद थे।

-बेटे गिरफ्तार

वारन्टी गिरफ्तार

Mobile View
Tools

H+ 2.7K/s 11:06 AM H+2 68%

से बहुत कम वेतन पर काम कर रहे हैं। आरोप लगाया कि उनका लगातार का शोषण किया जा रहा है। न्यायोचित मांगों को लेकर कई मर्तवा कंपनी के अधिकारियों के साथ ही शासन व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को पत्र भेजा जा चुका है। लेकिन इस दिशा में अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। ऐसे में फील्ड कर्मियों के पास अब कार्य बहिष्कार कर आंदोलन करने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है।

राजभाषा हिंदी के प्रयोग पर दिया जोर

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान के हिंदी अनुभाग द्वारा मंगलवार को संस्थान के विभिन्न प्रभागों के राजभाषा नोडल अधिकारियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का शुभारंभ संस्थान की निदेशक डा. सविता ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक कार्यों में भी हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग किया जाना चाहिए। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य सचिव डा. एमआर सकलानी ने बतौर मुख्य वक्ता कार्यशाला में प्रतिभाग कर रहे राजभाषा अधिकारियों को राजभाषा अधिनियमों की जानकारी दी। कहा कि हिंदी शुरू से ही राष्ट्रीय एकता, धार्मिक सहिष्णुता और प्रेम व्यवहार की भाषा रही है। इसलिए यह राष्ट्रीय एकता की कड़ी के रूप में कार्य करती है। सबका कर्तव्य है कि हम सभी संविधान की भावनाओं का सम्मान करते हुए अपना ज्यादा से ज्यादा काम राजभाषा हिंदी में करने का प्रयास करें। कार्यशाला के दूसरे सत्र में रमेश सिंह ने प्रतिभागियों को हिंदी प्रगति की त्रैमासिक विवरणी संबंधी प्रपत्र में उचित प्रकार के आंकड़े प्रविष्ट करने की जानकारी दी। संस्थान की कुल सचिव नीलिमा शाह, वरिष्ठ वैज्ञानिक रामवीर सिंह आदि भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

Next Page

अमर उजाला

विज्ञापन
SUBHARTI UNIVERSITY
India Great University in india get quality work

शिक्षा अधिकारियों को भूमि चिन्हित करने के निर्देश दिए हैं।

हिंदी में कार्य करने का आह्वान

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान की ओर से मंगलवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ संस्थान की निदेशक डॉ. सविता ने किया। उन्होंने हिंदी भाषा में कार्य करने का आह्वान किया। कार्यशाला में आमंत्रित विशेष वक्ता डॉ. एमआर सकलानी ने कहा कि हिंदी राष्ट्रीय एकता, धार्मिक सहिष्णुता और प्रेम व्यवहार की भाषा है। इस दौरान नीलिमा शाह, रामबीर सिंह आदि मौजूद रहे।

महानगर कार्यकारिणी का विस्तार किया

देहरादून। शिव सेना की इकाई महिला युवा की महानगर अध्यक्ष काजल सिंह ने मंगलवार को महानगर कार्यकारिणी का विस्तार किया है, जिसमें मंजू थापा को उपाध्यक्ष, मोहिनी रावत को

शासन से दिशा-निर्देश मांगे थे, लेकिन इसके बाद अतिक्रमण हटाओ अभियान के चलते इस पर कोई निर्णय नहीं हो सका। जिसके चलते मकान और व्यवसायिक भवन बनाने वालों को रोजाना एमडीडीए के चक्कर काटने पड़ रहे थे। वहीं, मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से स्टे मिलने पर एमडीडीए अधिकारियों ने राहत की सांस ली है।

एमडीडीए के उपाध्यक्ष
श्रीवास्तव ने बताया कि
करने की कार्रवाई शुरू
करीब 2500 नक्शे पें
मानकों के अनुसार जल
जाएगा। हालांकि जेई अ
अतिक्रमण हटाओ अभि
के चलते शुरुआती एक
को दिक्कत आ सकती
जल्द ही व्यवस्था बनाव
करने की प्रक्रिया शुरू क

कार्यशाला कर्मचारि
भत्ते में दो फीसदी बढ़

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। परिवहन निगम में नियमित कर्मचारियों एवं संविदा, विशेष श्रेणी में कार्यरत कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी के बाद अब निगम प्रबंधन ने कार्यशालाओं में कार्यरत तकनीकी संविदा, मजदूरों के महंगाई भत्ते में भी दो फीसदी की बढ़ोतरी की है। इस संबंध में प्रबंध निदेशक वीके संत की ओर से आदेश भी जारी कर

बढ़ोतरी कर दी ग
कर्मचारियों को 250
2550 रुपये प्रोत्सा
भुगतान किया जाएगा
दिन की ड्यूटी कर
2550 रुपये का अति
होगा। आदेशों के मुता
ड्यूटी करने पर क
कुल मिलाकर 510
प्रोत्साहन दिया
उल्लेखनीय है कि
कर्मचारियों एवं संवि

H+ 0K/s 12:15 PM H+2 41%
10ddn-pg8-0 (...

राष्ट्रीय एकता की भाषा है हिंदी

देहरादूनः वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआइ) में राजभाषा हिंदी पर आयोजित कार्यशाला में हिंदी के प्रचार-प्रसार पर बल दिया गया।

मंगलवार को आयोजित कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के पूर्व सदस्य सचिव एमआर सकलानी ने राजभाषा अधिनियम की जानकारी दी। इसके साथ ही हिंदी की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी शुरू से ही राष्ट्रीय एकता की भाषा रही है। हिंदी सहिष्णुता और प्रेम व्यवहार की भाषा के रूप में भी विख्यात है। सभी को संविधान की भावना का सम्मान करते हुए ज्यादा से ज्यादा काम को हिंदी में करना चाहिए। कार्यशाला के दूसरे सत्र में रमेश सिंह ने हिंदी प्रगति की त्रैमासिक रिपोर्ट में आंकड़ों की उचित प्रविष्टि पर प्रशिक्षण दिया। इससे पहले शुरुआती सत्र में संस्थान की निदेशक डॉ. सविता ने कार्मिकों को हिंदी में कामकाज को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने हिंदी की त्रैमासिक रिपोर्ट पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि इसमें और सुधार किया जाना चाहिए। कार्यशाला में एफआरआइ की कुलसचिव नीलिमा शाह, वैज्ञानिक रामबीर सिंह आदि उपस्थित रहे। (जासं)

22 दिन में 18

सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने

जागरण संवाददाता, देहरादूनः सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद एमडीडीए के साथ ही उन सैकड़ों लोगों को भी राहत मिली है, जिन्होंने भवन निर्माण के लिए नक्शा दाखिल किया था। क्योंकि मास्टर प्लान निरस्त होने के बाद तमाम ऐसे नक्शे भी जारी नहीं हो पा रहे थे, जिनका शुल्क भी जमा किया जा चुका था।

15 जून को हाईकोर्ट का आदेश आने के बाद शनिवार व रविवार का अवकाश रहा और सोमवार 18 जून को कार्यालय खुल पाए। हाईकोर्ट के आदेश पर तत्काल प्रभाव से अमल करते हुए एमडीडीए ने सोमवार से ही नक्शों पर कार्रवाई रोक दी थी। हालांकि, नक्शे दाखिल किए जा रहे थे। इस तरह इन 22 दिनों में नक्शों का बैकलॉग मंगलवार तक 1896 जा पहुंचा। इसमें 1601 आवासीय और 295 कमर्शियल नक्शे हैं। जबकि सामान्य दिनों में यह बैकलॉग 300 से अधिक नहीं रहता था। दूसरी तरफ मास्टर प्लान बहाल होने से उन लोगों को भी राहत मिली है, जिनके होटल, अस्पताल आदि अतिक्रमण अभियान में सील कर दिए गए थे।

राह

- **सामा होता**
- **मास्ट को भ**

आवासी संचालित गया था।

जब लिए एम भी राहत

बहाली को तीन दिन का अव